C B C S

Core Course – 1

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 1

पत्र – 1

समय : तीन घंटे

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे – क) साहित्य का इतिहास लेखन, उसकी आवश्यकता एवं उपयोगिता को समझ सकेंगे ख) साहित्य के विकास एवं परिवर्तन प्रक्रिया को जानेंगें | हिन्दी साहित्य इतिहास के विभिन्न कालखंडों की विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे | **विशेष-** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल, मध्यकाल

पाठ्यविषय :-

1 (क) साहित्य के इतिहास की अवधारणा, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन,नामकरण |
(ख) आदिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृतियाँ एवं साहित्यिक परिचय

2 भक्तिकाल : परिस्थितियाँ, निर्गुण काव्यधारा, ज्ञानमार्गी काव्यधारा एवं प्रेममार्गी काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ |

3 भक्तिकाल : सगुण काव्यधारा – कृष्ण काव्यधारा एवं राम काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ

4 रीतिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, काव्यधाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ |
(कवि – परिचय से सम्बद्ध प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे) |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |
2 हिन्दी साहित्य की भूमिका– आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
3 हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
4 हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना |
5 हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग -1 और 2) – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
6 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली |
7 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
8 हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली |
9 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (खण्ड -1 और 2) – गणपतिचन्द्र गुप्त,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
10 हिन्दी साहित्य का अलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

C B C S

Core Course – 2

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 1 समय : तीन घंटे

पत्र – 2

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

व्याख्या / लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

<u>कुल = 75</u>

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - क) भक्तिकाल के महत्वपूर्ण कवियों की कविताओं को जान सकेंगे। **विशेष** – अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

मध्यकालीन कविता

<u>पाठ्यविषय</u> :-

1 कबीरदास : कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदर दास, साखी – गुरुदेव को अंग -20 दोहे, सुमिरण को अंग -15,दोहे, विरह को अंग-15 दोहे |

2 सूरदास : सूरसागर सार, सं. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्यभवन लिमिटेड, इलाहाबाद, विनय के पद : 1 से 15, राधा-कृष्ण - 1-15 (पद) |

3 तुलसीदास : कवितावली, गीताप्रेस, गोरखपुर (केवल उत्तर कांड) छंद संख्या – 1 से 30 तक |

4 मीराबाई : मीराबाई की पदावली, सं. परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग, आरंभिक 25 पद

संदर्भ – ग्रंथ :

1 मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |

2 मीरा ग्रंथावली – कल्याण सिंह शेखावत, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |

3 कबीर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

4 भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |

5 गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |

6 तुलसीदास – माताप्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद, इलाहाबाद |

7 कबीर का रहस्यवाद – रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद |

8 मीराबाई – डॉ. कृष्णदेव झारी, शारदा प्रकाशन, महरौली, नई दिल्ली |

9 त्रिवेणी – आचार्य रामचंद्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |

10 सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

11 जन-जन के कवि तुलसीदास : योगेन्द्र प्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

12 तुलसीदास : रामचंद्र तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

13 पूरा कबीर : सं. बलदेव वंशी, प्रकाशन, संस्थान, नई दिल्ली |

C B C S

Core Course – 3

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 2 समय : तीन घंटे

पत्र – 3 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे – (क) हिन्दी साहित्य इतिहास के आधुनिककाल की महत्वपूर्ण विशेषता को जान सकेंगे |ख) आधुनिककाल से सम्बधित काव्य विषयों के साथ साथ गद्य विधाओं की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को जान सकेंगे | **विशेष**-अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल

पाठ्यविषय :-

1. आधुनिक काल के उदय की पृष्ठभूमि |
   (क) भारतेंदु काल : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ |
   (ख) द्विवेदी काल : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ |
2. छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता |
3. कथा – साहित्य : हिन्दी कहानी और हिन्दी उपन्यास का विकास |
4. नाटक एकांकी, आलोचना, निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, जीवनी |
   (कवि / लेखक –परिचय से सम्बधित प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे) |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |
2 हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
3 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
4 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
5 छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन दिल्ली |
6 हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
7 आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
8 प्रगतिवादी आन्दोलन का इतिहास – कर्ण सिंह चौहान, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली |
9 महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
10 हिन्दी नवलेखन – रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली |
11 समकालीन कविता : सम्प्रेषण का संकट, परमानंद श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
12 आलोचना के सौ बरस – सं. अरविन्द त्रिपाठी, शिल्पायन, दिल्ली |
13 हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
14 आधुनिक भारतीय नाट्य – विमर्श – जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

C B C S

Core Course – 4

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 2 | समय : तीन घंटे

पत्र – 4

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

व्याख्या / लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - क) हिन्दी साहित्य के एक विशेष कालखंड छायावाद से सम्बधित कवियों और उनकी काव्य विशेषताओं को / (ख) छायावादयुगीन काव्य के महत्व से परिचित हो सकेंगे | **विशेष**- अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे|

आधुनिक हिन्दी कविता

पाठ्यविषय :-

1 जयशंकर प्रसाद : लहर से 5 कविताएँ –
(क) बीती विभावरी जाग री (ख) अशोक की चिन्ता (ग) शेरसिंह का शस्त्र समर्पण
(घ) प्रलय की छाया (ङ०) उठ –उठ री लघु-लघु लोल लहर |

2 सुमित्रानंदन पंत : 5 कविताएँ – आधुनिक कवि : सुमित्रानंदन पंत –
(क) प्रथम रश्मि (ख) भारत माता (ग) गीत विहग (घ) बापू
(ङ०) यह धरती कितना देती है |

3 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : 5 कविताएँ – राग-विराग – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संख्या - 8,9,49,63,109 |

4 महादेवी वर्मा : 5 कविताएँ – आधुनिक कवि : महादेवी वर्मा – संख्या – 9,36,37,48,49, |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 निराला की साहित्य – साधना – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
2 महादेवी – इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
3 प्रसाद का काव्य – डॉ. प्रेमशंकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |
4 काव्य का देवता – निराला, विश्वम्भर मानव, लोकभारती प्रकाशन |
5 छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
6 सुमित्रानंदन पंत – डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
7 निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
8 पंत : काव्य, कला और दर्शन – नीरज : सुधा सक्सेना, आत्माराम एन्ड सन्स, दिल्ली |
9 महादेवी : दूधनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |

C B C S

Core Course – 5

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 3 **समय : तीन घंटे**

पत्र – 5 **दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :** 3 x 12 = 36

व्याख्या / लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : 15 x 1=15

कुल = 75

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें - क) छायावादोत्तर काल से सम्बधित महत्वपूर्ण कवियों और उनकी काव्य विशेषताओं को जान सकेंगे(ख) छायावादोत्तर काल के काव्य महत्व से परिचित हो सकेंगे | **विशेष-** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर व विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

छायावादोत्तर हिन्दी कविता

पाठ्यविषय :-

1 अज्ञेय

(क) कलगी बाजरे की (ख) नदी के द्वीप (ग) यह दीप अकेला (घ) नाच (ङ) कितनी नावों में कितनी बार

2 नागार्जुन

(क) यह दन्तुरित मुस्कान (ख) बादल को घिरते देखा है (ग) प्रेत का बयान

(घ) अकाल और उसके बाद (ङ) ऐसे भी हम क्या ! ऐसे भी तुम क्या |

3 सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

(क) सौन्दर्य बोध (ख) पिछड़ा आदमी (ग) दु:ख (घ) भूख (ङ) पत्नी की मृत्यु पर |

4 धूमिल

(क) गाँव (ख) घर में वापसी (ग) किस्सा जनतंत्र (घ) रोटी और संसद (ङ) मोचीराम

पाठ्य पुस्तक :

छायावादोत्तर काव्य संग्रह – सं. डॉ. रामनारायण शुक्ल, श्रीनिवास पाण्डेय, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी |

संदर्भ ग्रंथ :-

1 नागार्जुन की कविता – अजय तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

2 सर्वेश्वर और उनकी कविता – कृष्णदत्त पालीवाल, लिपि प्रकाशन, दिल्ली |

3 अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन – चन्द्रकान्त वांदिवडेकर, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद |

4 कविता के नए प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

5 आधुनिक काव्यधारा – केशरी नारायण शुक्ल, नन्दकिशोर प्रकाशन, दिल्ली |

6 धूमिल : युग चेतना और अभिव्यक्ति – हरिचरन सिंह – संजय बुक सेन्टर, वाराणसी |

7 अज्ञेय का कवि – कर्म : रमेशचंद्र शाह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

8 जनवादी कविता का धूमकेतु : रवीन्द्र भारती, अमित प्रकाशन, गाजियावाद |

9 अथातो काव्य जिज्ञासा : सं. मंजुल उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

10 सर्वेश्वरदयाल सक्सेना का रचना –कर्म : कृष्णदत्त पालीपाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |

11 धूमिल की श्रेष्ठ कविताएँ – सं. ब्रह्मदेव मिश्र एवं शिवकुमार मिश्र, राजकमल, दिल्ली |

C B C S

Core Course – 6

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 3 समय : तीन घंटे

पत्र – 6 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - क) भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत और उनके गुणों से परिचित होंगे |ख) रस, अलंकार, छंद के महत्व से परिचित हो सकेंगे | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर के विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

भारतीय काव्यशास्त्र

पाठ्यविषय :-

1 काव्य – लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार-श्रव्य, दृश्य, चंपू|

2 शब्द-शक्ति, काव्य-गुण, काव्य-दोष |

3 रस, अलंकार, रीति, ध्वनि और वक्रोक्ति सिद्धांतों का सामान्य परिचय |

4 10 प्रमुख काव्यालंकार और 10 छंद |

अलंकार :

1 अनुप्रास, 2 वक्रोक्ति, 3 यमक, 4 श्लेष, 5 उत्प्रेक्षा, 6 उपमा, 7 रूपक,

8 विशेषोक्ति, 9 विरोधाभास, 10 अपह् नुति |

छंद चौपाई, 2 दोहा, 3 रोला, 4 सोरठा, 5 त्रोटक, 6 हरिगीतिका, 7 छप्पय, 8 सवैया, 9 कुण्डलिया, 10 बरवै |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 भारतीय काव्यशास्त्र – बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा प्रकाशन, दिल्ली |

2 काव्य के तत्व – देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

3 काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |

4 अलंकार मुक्तावली – देवेन्द्रनाथ शर्मा, भारती भवन, पटना |

5 काव्यशास्त्र चर्चा – देवकीनंदन श्रीवास्तव, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ |

6 हिन्दी छंद प्रकाश – रघुनन्दन शास्त्री, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली |

7 हिन्दी छन्दोलक्षण – नारायण दास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

8 भारतीय काव्यशास्त्र : योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

9 भारतीय काव्यशास्त्र : विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

10 भारतीय काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

C B C S

Core Course – 7

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 3 समय : तीन घंटे

पत्र – 7 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

व्याख्या / लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

*इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे- क) हिन्दी कहानी की विकास यात्रा से परिचित होंगे ।ख) हिन्दी की कुछ विशेष कहानियों के बारे में उनकी विशेषता सहित जान सकेंगे | **विशेष-** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर के विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी कहानी

पाठ्यविषय :-

1	एक दुनिया समानांतर	:	सं. राजेंद्र यादव
	चयनित कहानियाँ	:	प्रथम पांच कहानियाँ
2	आठ कहानियाँ	:	सं. ललित शुक्ल
	चयनित कहानियाँ	:	प्रथम पांच कहानियाँ

संदर्भ – ग्रंथ :

1 हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

2 कहानीकार प्रेमचंद : रचना दृष्टि और रचना शिल्प – शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

3 कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन - इलाहाबाद |

4 कुछ कहानियाँ : कुछ विचार-विश्वनाथ त्रिपाठी |

5 नई कहानी : संदर्भ एवं प्रकृति-देवीशंकर अवस्थी |

6 हिन्दी कहानी का इतिहास-गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |

C B C S

Core Course – 8

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 4 समय : तीन घंटे

पत्र – 8 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे-(क) हिन्दी भाषा की विकास यात्रा को जान सकेंगे |ख) देवनागरी लिपि के इतिहास और उसकी विशेषता को जान सकेंगे | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग करके छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी भाषा एवं लिपि

पाठ्यविषय :-

1 (क) हिन्दी की उत्पत्ति, हिन्दी की मूल आकर भाषाएँ | पुरानी हिन्दी, अपभ्रंश, अवहट् ट |
(ख) हिन्दी का भौगोलिक क्षेत्र एवं बोलियाँ, पूर्वी हिन्दी और पश्चिमी हिन्दी |
2 हिन्दी की ध्वनि – संरचना, रूप-संरचना एवं वाक्य-संरचना |
3 हिन्दी का शब्द भंडार – तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली |
4 देवनागरी लिपि : इतिहास, मानकीकरण, वैज्ञानिकता, विशेषताएँ |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी – सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
2 हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग |
3 हिन्दी भाषा का उदगम और विकास – उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, प्रयाग |
4 हिन्दी भाषा – हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद |
5 हिन्दी भाषा – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद |
6 नागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी – अनंतलाल चौधरी, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादेमी, पटना |
7 हिन्दी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
8 हिन्दी भाषा का इतिहास : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
9 भारतीय लिपियों की कहानी : गुणाकर मुले, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |
10 भाषा विज्ञान रसायन : कैलाशनाथ पाण्डेय, गाजीपुर साहित्य संवाद, गाजीपुर |

C B C S

Core Course – 9

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 4 समय : तीन घंटे

पत्र – 9 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

व्याख्या लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

*इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) हिन्दी के चार प्रमुख उपन्यासों के माध्यम से रचनाकार के मंतव्य और वर्णित समाज का सच जान सकेंगे |(ख) रचनाकार के उद्देश्य से परिचित हो सकेंगे | **विशेष-** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर के छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी उपन्यास

पाठ्यविषय :-

1 गबन : प्रेमचंद, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद |
2 दिव्या : यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
3 त्यागपत्र : जैनेन्द्र कुमार, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली |
4 महाभोज : मन्नू भण्डारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 प्रेमचंद : रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली |
2 हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |
3 हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
4 हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
5 यशपाल : पुनर्मूल्यांकन : कुँवरपाल सिंह |
6 जैनेन्द्र के उपन्यास : परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
7 दिव्या : इतिहास, संस्कृति और नारी विमर्श – नमिता सिंह, शिल्पायन, दिल्ली |
8 क्रान्तिकारी यशपाल : एक समर्पित व्यक्तित्व – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली |

C B C S

Core Course – 10

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 4 **समय : तीन घंटे**

पत्र – 10 **दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36**

व्याख्या / लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे – (क) छात्रों के अन्दर सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होगा (ख) छात्र हिन्दी के श्रेष्ठ निबंधों, संस्मरणों के कुछ हिस्सों से परिचित हो सकेंगे | **विशेष-** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

पाठ्यविषय :

1 रामचंद्र शुक्ल -

(क) श्रद्धाभक्ति (ख) क्रोध (ग) भय (घ) लोभ और प्रीति (ङ) उत्साह

ग्रंथ : चिंतामणि – भाग – 1, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |

2 **हजारीप्रसाद द्विवेदी** -

(क) नाख़ून क्यों बढ़ते हैं (ख) आम फिर बौरा गये (ग) शिरीष के फूल

(घ) मनुष्य की सर्वोत्तम कृति : साहित्य (ङ) आन्तरिक शुचिता भी आवश्यक है |

ग्रंथ : कल्पलता – हजारीप्रसाद द्विवेदी

3 **रेखाचित्र** : बेनीपुरी ग्रंथावली, भाग-1, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

(क) सरयू भैया (ख) सुभान खाँ (ग) भौजी (घ) रजिया (ङ) बैजू मामा

4 संस्मरण : महादेवी वर्मा, अतीत के चलचित्र

(क) रामा (ख) घीसा (ग) लछमा (घ) बिन्दा (ङ) भाभी

संदर्भ – ग्रंथ :

1 हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |

2 आचार्य रामचंद्र शुक्ल – डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |

3 रामचंद्र शुक्ल – मलयज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

4 हिन्दी निबंध और निबंधकार – रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |

5 हिन्दी ललित निबंध : स्वरूप विवेचन, वेदवती राठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

6 शान्तिनिकेतन से शिवालिक शिवप्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |

7 व्योमकेश दरवेश विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

C B C S

Core Course – 11

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 5

पत्र – 11

समय : तीन घंटे

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे – (क) पाश्चात्य काव्य शास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों से परिचित हो सकेंगे (ख) साहित्य को समझने में सिद्धांतों का उपयोग कर सकेंगे | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पाठ्यविषय :

1 प्लेटो, अरस्तू (अनुकरण, विरेचन)
2 होरेस, लोजांइनस
3 वडर्सवर्थ, मैथ्यू आर्नल्ड
4 टी. एस. इलिएट, आई. ए. रिचर्ड्स के साहित्य सिद्धांतों का सामान्य परिचय |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
2 पाश्चात्य समीक्षा दर्शन – जगदीशचंद्र जैन, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी |
3 पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
4 आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
5 पाश्चात्य काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
6 भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – बच्चन सिंह, हरियाणा ग्रंथ अकादेमी, चंडीगढ़ |
7 पाश्चात्य काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
8 पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृतियाँ : राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |

C B C S

Core Course – 12

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 5 समय : तीन घंटे

पत्र – 12 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

व्याख्या / लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे – (क) हिन्दी के प्रमुख शुरुआती नाटकों , एकांकी से परिचित हो सकेंगे (ख) पठित एकांकी, नाटकों के उद्देश्य से परिचित हो सकेंगे | **विशेष-** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी नाटक और एकांकी

पाठ्यविषय :

1 अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2 स्कंदगुप्त : जयशंकर प्रसाद
3 माधवी : भीष्म साहनी
4 हिन्दी एकांकी : सं. चंद्रगुप्त विद्यालंकार, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली |
(क) कौमुदी महोत्सव (ख) तौलिये (ग) स्ट्राईक (घ) बंदी (ङ) काफी हाउस में इंतजार |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद |
2 हिन्दी नाटक, उद् भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली |
3 हिन्दी नाटक और रंगमंच – सं. राजमल बोरा, नारायण शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर |
4 प्रसाद के नाटक – डॉ. सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना |
5 हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – डॉ. सिद्धनाथ कुमार, ग्रंथम, कानपुर |
6 एकांकी कला – डॉ. रामकुमार वर्मा – नेशनल प्रेस, प्रयाग |
7 एकांकी और एकांकीकार : रामचरण महेंद्र, वाणी, नई दिल्ली |
8 हिन्दी नाटक : रंग शिल्प दर्शन :विकल गौतम, वाणी, नई दिल्ली |
9 नाटककार जगदीशचंद्र माथुर : गोविन्द चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली |

C B C S

Core Course – 13

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 6

पत्र – 13

समय : तीन घंटे

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे – (क) हिन्दी पत्रकरिता का इतिहास जान सकेंगें (ख) हिन्दी पत्रकारिता के महत्व और उससे होने वाले लाभ से परिचित होंगे | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता

पाठ्यविषय :

1 भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय एवं प्रवृतियाँ |
2 द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय एवं प्रवृतियाँ |
3 प्रेमचंद और छायावादयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय एवं प्रवृतियाँ |
4 (क) स्वातंत्रोत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय एवं प्रवृतियाँ |
(ख) हिन्दी की महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएँ : बनारस अख़बार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिन्दोस्थान, आज, हंस, सारिका, कल्पना, विशाल भारत, धर्मयुग, जनसत्ता |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 हिन्दी पत्रकारिता : कृष्ण बिहारी मिश्र, ज्ञानपीठ, नई दिल्ली |
2 आधुनिक पत्रकारिता : अर्जुन तिवारी
3 पत्रकारिता के विविध संदर्भ : डॉ. वंशीधर लाल, अनुपम प्रकाशन, पटना |
4 पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य : जगदीशप्रसाद चतुर्वेदी, साहित्यिक संगम, इलाहाबाद |
5 हिन्दी पत्रकारिता और गद्यशैली का विकास – डॉ. गंगानारायण त्रिपाठी, शांति प्रकाशन, इलाहाबाद |
6 हिन्दी पत्रकारिता : बंगीय भूमिका, कृष्णबिहारी मिश्र |

C B C S

Core Course – 14

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 6

पत्र – 14

समय : तीन घंटे

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे – (क) हिन्दी के कार्यालयी उपयोग को जान सकेंगे (ख) हिन्दी भाषा के व्यवसायिक रूप को पहचान सकेंगे | **विशेष-** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

प्रयोजनमूलक हिन्दी

पाठ्यविषय :

1 प्रयोजनमूलक हिन्दी : अभिप्राय, परिभाषा, हिन्दी के विविध रूप, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचारभाषा |
2 हिन्दी की संवैधानिक स्थिति, राजभाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग – समस्याएँ और सुझाव |
3 कार्यालयी प्रयोग में हिन्दी – सरकारी पत्र, अर्ध सरकारी पत्र, आदेश, निविदा, विज्ञापन, टिप्पण एवं प्रारूपण |
4 (क) पारिभाषिक शब्दावली – निर्माण की प्रक्रिया, समस्याएँ एवं अनुप्रयोग |
(ख) प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद : अनुवाद के सिद्धांत और प्रकार |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 प्रयोजनमूलक हिन्दी – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा |
2 प्रयोजनमूलक हिन्दी – विजयपाल सिंह, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली |
3 प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, मोतीलाल बनारसी लाल, पटना |
4 प्रयोजनमूलक हिन्दी – सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
5 राजभाषा हिन्दी – कैलाशचंद्र भाटिया, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली |
6 बोलचाल की हिन्दी और संचार : मधु धवन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |

C B C S
D S E – 1

सेमेस्टर – 5

पत्र – 1

समय : तीन घंटे

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

व्याख्या / लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे- (क) भक्तिकाल के बड़े कवि कबीरदास की काव्यगत संवेदना से परिचित हो सकेंगे (ख) कबीरदास के मानवतावादी दृष्टिकोण को जान सकेंगे | **विशेष-** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे|*

कबीरदास

पाठ्यविषय :-

1. कबीर : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

पाठ्यांश : 1, 5, 8, 20, 22, 32, 35, 41, 46, 55.

2. कबीर ग्रंथावली : सं. श्यामसुंदर दास

पाठ्यांश : गुरुदेव को अंग : प्रारंभिक 10 साखियाँ
पतिव्रता को अंग : प्रारंभिक 10 साखियाँ
विरह को अंग : प्रारंभिक 10 साखियाँ

संदर्भ – ग्रंथ :

1 कबीर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
2 कबीर का रहस्यवाद – डॉ. रामकुमार वर्मा |
3 कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी |
4 कबीर – डॉ. विजेन्द्र स्नातक |
5 अकथ कहानी प्रेम की – पुरुषोत्तम अग्रवाल |
6 कबीर – गोविन्द त्रिगुणायत |

C B C S
D S E – 2

सेमेस्टर – 5

पत्र – 2

समय : तीन घंटे

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

व्याख्या / लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे- (क) छायावाद के सर्वाधिक चर्चित रचनाकार (ख) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के साहित्य के महत्व को समझ सकेंगे (ख) हिन्दी वर्ण के प्रकार को जान सकेंगें | ***विशेष*** *– अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

पाठ्यविषय :-

कविताएँ :

1.
   - (क) सखि, वसन्त आया
   - (ख) जूही की कली
   - (ग) जागो फिर एक बार : 2
   - (घ) बादल-राग - 6
   - (ङ) वर दे वीणावादिनी वर दे !
   - (च) भारति, जय विजय करे !
   - (छ) तोड़ती पत्थर
   - (ज) बाहर मैं कर दिया गया हूँ
   - (झ) स्नेह-निर्झर बह गया है
   - (ञ) गहन है यह अन्धकार

2. कथा साहित्य – बिल्लेसुर बकरिहा

1 निराला की साहित्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

2 क्रांतिकारी कवि निराला – बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |

3 निराला के सृजन सीमांत – डॉ. अर्चना वर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

4 निराला कृति से साक्षात्कार – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

5 निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद |

6 निराला – रामविलास शर्मा, राजकमल, नई दिल्ली |

CBCS
DSE–3

सेमेस्टर – 6
पत्र – 3

समय : तीन घंटे
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36
व्याख्या लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24
आन्तरिक परीक्षा : = 15
कुल = 75

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे- (क) भक्तिकाल के कवि तुलसीदास की काव्य विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे (ख) तुलसीदास के काव्य में निहित भक्ति भावना के स्वरुप को पहचान सकेंगे | **विशेष** - अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

तुलसीदास

पाठ्यविषय :-

1 श्री रामचरितमानस : अयोध्याकाण्ड (दोहा संख्या 67 से 96 तक) गीताप्रेस, गोरखपुर |
2 कवितावली, गीताप्रेस, गोरखपुर, (केवल उत्तरकांड, 30 छंद) छंद संख्या – 29,35,37,44,45,60,67,73,74,84,88,89,102,103,108,119,122,126,132,134,136, 140,141,146,153,155,161,165,182,229.
3 गीतावली (केवल बालकाण्ड 20 पद) गीताप्रेस गोरखपुर – पद संख्या 7,8,9,10,18,24,26, 31,33,36,44,73,95,97,101,104,105,106,107,110,
4 विनय पत्रिका – गीताप्रेस गोरखपुर (चुने हुए कुल 20 पद) पद संख्या 1,5,17,30,36,41, 45,72,78,79,85,89,90,94,100,101,102,103,104,105.

संदर्भ – ग्रंथ :

1 रामचरितमानस का सौंदर्य तत्त्व – डॉ. कवीश्वर ठाकुर, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली |
2 रामचरितमानस : सं. डॉ. सुधाकर पाण्डेय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
3 तुलसी साहित्य विमर्श – डॉ. देवकीनंदन श्रीवास्तव, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ |
4 गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
5 जन जन के कवि तुलसीदास : डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
6 तुलसीदास और उनका युग - राजपति दीक्षित |
7 तुलसीदर्शन - उदयभानु सिंह |
8 रामकथा - फादर कामिल बुल्के |

CBCS
DSE–4

सेमेस्टर – 6 समय : तीन घंटे

पत्र – 4 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

व्याख्या लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

*इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे- (क) स्वतंत्रता आंदोलन को ध्यान रखकर लिखे गए काव्य के बारे में जान सकेंगे (ख) राष्ट्रीय काव्य धारा के महत्व और काव्य विशेषता से परिचित हो सकेंगे | **विशेष** - अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा

पाठ्यविषय :-

1 मैथिलीशरण गुप्त – भारत भारती : भारत की श्रेष्ठता, हमारे पूर्वज, आर्य स्त्रियाँ, हमारी सभ्यता, हमारी विद्या बुद्धि
2 माखनलाल चतुर्वेदी – हिमकिरीटिनी : अंतिम पाँच कविताएँ
3 रामधारी सिंह "दिनकर" रश्मिरथी – सर्ग – 3
4 सुभद्रा कुमारी चौहान – मुकुल : प्रारंभिक 5 कविताएँ

संदर्भ – ग्रंथ :

1 माखनलाल चतुर्वेदी - साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली |
2 दिनकर – डॉ. सावित्री सिन्हा
3 मैथिलीशरण गुप्त, संदकिशोर सकल, राजकमल, नई दिल्ली |
4 सुभद्रा कुमारी चौहान - सुधा चौहान
5 दिनकर के काव्य में इतिहास और राजनीति – डॉ. सुभाषचंद्र राय, गौरव बुक डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली |

CBCS
GEC – 1

सेमेस्टर – 1
जीईसी – 1

समय : तीन घंटे
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36
लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24
आन्तरिक परीक्षा : = 15
कुल = 75

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे – (क) सर्जनात्मक लेखन के विविध रूप से परिचित हो सकेंगे | (ख) सर्जनात्मक लेखन के महत्व से परिचित हो सकेंगे | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

पाठ्यविषय :-

1 रिपोर्ताज : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन – प्रविधि |
2 फीचर लेखन : विषय – चयन, सामग्री – निर्धारण, लेखन – प्रविधि | सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन |
3 साक्षात्कार (इण्टरव्यू , भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार – प्रविधि, महत्व |
4 स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन | सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट | बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 हिन्दी रिपोर्ताज – वीरपाल वर्मा, कुसुम प्रकाशन, मुजफ्फरनगर |
2 हिन्दी विधाएँ : स्वरूपात्मक अध्ययन – बैजनाथ सिंघल, हरियाणा साहित्य अकादेमी, चंडीगढ़ |
3 आधुनिक गद् य की विविध विधाएँ – उदयभानु सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
4 हिन्दी की विधाएँ : पुनर्विचार , हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

CBCS
GEC-2

सेमेस्टर – 2
जीईसी – 2

समय : तीन घंटे
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36
व्याख्या लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24
आन्तरिक परीक्षा : = 15
कुल = 75

*इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे – (क) भारतीय साहित्य की महत्वपूर्ण रचनाओं से परिचित होंगे | **विशेष** -अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

आधुनिक भारतीय साहित्य

पाठ्यविषय :-

1 छ: माण आठ गुण – फकीर मोहन सेनापति
2 गोरा – रवीन्द्रनाथ ठाकुर
3 मृत्युंजय – शिवाजी सामंत
4 आवरण – भैरप्पा

संदर्भ – ग्रंथ :

1 भारतीय साहित्य – डॉ. रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
2 भारतीय साहित्य : डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपरबैक, नई दिल्ली |
3 भारतीय साहित्य : डॉ. सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
4 भारतीय साहित्य की भूमिका – रामविलास शर्मा, राजकमल, नई दिल्ली |

C B C S
G E C - 3

सेमेस्टर – 3
जीईसी – 3

समय : तीन घंटे
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36
लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24
आन्तरिक परीक्षा : = 15
कुल = 75

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे- (क) विभिन्न पाश्चात्य और भारतीय दार्शनिक चिंतन के बारे में जान सकेंगे (ख)इस दार्शनिक चिंतनों का महत्व जान पाएंगे | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य

पाठ्यविषय :-

1 अभिव्यंजनावाद एवं स्वच्छंदतावाद
2 अस्तित्ववाद एवं मनोविश्लेषणवाद
3 मार्क्सवाद एवं आधुनिकतावाद
4 संरचनावाद एवं शैलीविज्ञान

संदर्भ - ग्रंथ :

1 पश्चिम का काव्य-विचार – डॉ. अजय तिवारी, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली |
2 पाश्चात्य काव्य शास्त्र का इतिहास – डॉ. तारकनाथ बाली, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली |
3 पाश्चात्य काव्य शास्त्र – डॉ. भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
4 पाश्चात्य काव्य शास्त्र – डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली \
5 पाश्चात्य साहित्य चिंतन : निर्मला जैन
6 पाश्चात्य समीक्षा दर्शन : जगदीशचंद्र जैन

CBCS
GEC-4

सेमेस्टर – 4
जीईसी – 4

समय : तीन घंटे
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36
लघूत्तरीय प्रश्न : 3 x 8 = 24
आन्तरिक परीक्षा : = 15
कुल = 75

*इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) पत्र पत्रिकाओं के संपादन से सम्बंधित तथ्यों को जान सकेंगे (ख) पत्र पत्रिकाओं की सामग्री से परिचित हो सकेंगें | **विशेष**-अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

संपादन प्रक्रिया और साज-सज्जा

पाठ्यविषय :-

1 संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ, समाचार विश्लेषण, संपादन-कला के सामान्य सिद्धांत | संपादक और उपसंपादक : योग्यता, दायित्व और महत्व |

2 समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक – लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और संपादन | संपादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका | प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली | संपादकीय लेखन : प्रमुख तत्व एवं प्रविधि | संपादकीय का सामाजिक प्रभाव |

3 समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तम्भों की योजना और उनका संपादन | साहित्य और कला जगत की सामग्री के संपादन की विशेषताएँ | छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का संपादन |

4 साज – सज्जा और तैयारी : ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धांत | मुद्रण के तरीके, दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ – निर्माण (डमी), पत्रिका की साज – सज्जा, रंग – संयोजन |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 पत्रकारिता के विविध संदर्भ - वंशीधरलाल, अनुपम प्रकाशन, पटना |
2 हिन्दी पत्रकारिता और गद्यशैली का विकास - गंगानारायण त्रिपाठी, शांतिप्रकाशन, इलाहाबाद |
3 समाचारपत्रों का इतिहास - अंबिका प्रसाद वाजपेयी, ज्ञानमंडल, वाराणसी |
4 पत्रकारिता के पहलू - राजकिशोर, साहित्य सदन, कानपुर |

CBCS
SEC–1

सेमेस्टर – 3

एसईसी – 1

समय : तीन घंटे

पूर्णांक : 25

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) हिन्दी भाषा से सम्बंधित सामान्य और जरुरी तथ्यों को जान सकेंगे (ख) शब्दों के विविध रूप से परिचित हो सकेंगे (ख) अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |

भाषा शिक्षण

पाठ्यविषय :-

1 हिन्दी भाषा एवं शब्द भण्डार – तत्सम, तद् भव, देशज, विदेशज कृत्रिम |

2 भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर – प्रारंभिक कक्षाओं में, उच्च शिक्षा संस्थाओं में, हिन्दीतर भाषियों, विभाषियों विदेशियों के बीच द्वितीय भाषा के रूप में |

3 भाषा विज्ञान के मूलाधार – व्याकरण बोध, मानक वर्तनी का ज्ञान, शुद्ध वाक्य विन्यास, वैज्ञानिक उच्चारण, मानकीकृत देवनागरी लिपि का अभ्यास |

4 पर्यायवाची, समानार्थक, विलोम, गूढ़ार्थवाची, समश्रुत, अनेक शब्दों के लिए एक शब्दयुग्म और हिन्दी का अनुप्रयोगात्मक व्याकरण / हिन्दी भाषा का भविष्य |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 भाषाविज्ञान का रसायन – डॉ. कैलाशनाथ पाण्डेय, गाजीपुर साहित्य संसद, गाजीपुर |

2 हिन्दी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली |

3 हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास – डॉ. उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद |

4 भाषाविज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

5 हिन्दी भाषा और स्वरूप – कैलाशचंद्र भाटिया, ग्रंथ अकादेमी प्रकाशन, दिल्ली |

6 भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी |

7 सामान्य भाषाविज्ञान – बाबूराम सक्सेना |

CBCS
SEC–2

सेमेस्टर – 4 समय : तीन घंटे

एसईसी – 2 पूर्णांक – 25

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) अनुवाद के प्रकार से परिचित होंगे (ख) अनुवाद के महत्व से परिचित होंगे | **विशेष**- अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |

अनुवाद विज्ञान

पाठ्यविषय :-

1 अनुवाद का तात्पर्य, अनुवाद के विभिन्न प्रकार – भाषान्तरण, सारानुवाद तथा रूपान्तरण में साम्य –वैषम्य | अनुवाद के प्रमुख प्रकार-कार्यालयी, साहित्यिक, ज्ञान-विज्ञानपरक, विधिक, वाणिज्यिक |

2 अनुवाद के शिल्पगत भेद : अविकल अनुवाद (लिटरल), भावानुवाद छायानुवाद, आशु अनुवाद डबिंग, कम्प्यूटर, अनुवाद | साहित्यिक अनुवाद के प्रमुख रूप-काव्यानुवाद, कथानुवाद, नाट्यानुवाद |

3 वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली का अनुवाद, मुहावरों लोकोक्तियों का अनुवाद, संक्षिप्ताक्षरों तथा कूटपदों का अनुवाद | आंचलिक शब्दावली का अनुवाद, व्यंजनापरक लाक्षणिक पद प्रयोगों का अनुवाद अनुवाद की अर्हता और सफल अनुवाद के गुण |

4 अनुवाद : प्रयोगात्मक : अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ – डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली |

2 विदेशी भाषाओं से अनुवाद की समस्याएँ – डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली |

3 अनुवाद : भाषाएँ – डॉ. विश्वनाथ अय्यर, ज्ञान गंगा, दिल्ली |

4 वैज्ञानिक साहित्यिक अनुवाद की समस्याएं - डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रकाशन, दिल्ली |

5 अनुवाद सिद्धांत और व्याख्यान - मंजुला दास, पराग प्रकाशन, दिल्ली |

6 अनुवाद की समस्याएँ - जी. गोपीनाथ, लोकभारती, इलाहावाद |

C B C S

AECC

MIL (HINDI)

Paper - I

सेमेस्टर I | समय : तीन घंटे
एइसीसी | पूर्णांक : 25

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - (क) हिन्दी व्याकरण के स्वरूप, मुख्य विषय से परिचित होंगे | विशेष- अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |

हिन्दी व्याकरण और रचना

पाठ्यविषय :-

1. हिन्दी व्याकरण एवं रचना संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय | उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास | पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियाँ |
2. पत्र - लेखन : व्यक्तिगत, व्यावसायिक, सरकारी, अर्धसरकारी, सूचना, परिपत्र |
3. पल्लवन और संक्षेपण, भावार्थ लेखन |
4. निबंध लेखन : समसामयिक, सामाजिक, जीवनीपरक और विज्ञान संबंधी |

संदर्भ ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना |
2. हिन्दी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
3. हिन्दी निबंध रत्नाकर – डॉ. सुनीता चौहान, राधा प्रकाशन, आगरा |
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी, कमलेश्वर भट्ट एवं कमला कौशिक, शारदा प्रकाशन, दिल्ली |